।। अथ श्री देव्यष्टोत्तरशत नामावली ।।

।। श्री गणेशाय नमः - ॐकारः सर्वप्रथमेच्च नमः शब्दोयोज्यः ।।

© Pathakguruji.in

१) ॐ आदिशक्तये नमः।
२) ॐ महादेव्यै नमः।
३) ॐ अंबिकायै नमः।
४) ॐ परमेश्वर्यै नमः।
५) ॐ ईश्वर्यै नमः।
६) ॐ अनीश्वर्यै नमः।
७) ॐ योगिन्यै नमः।
८) ॐ सर्वभूतेश्वर्यै नमः।
९) ॐ जयायै नमः।
१०) ॐ विजयायै नमः।
११) ॐ जयंत्यै नमः।
१२) ॐ शांभव्यै नमः।
१३) ॐ शांत्यै नमः।
१४) ॐ ब्राह्मी नमः।
१५) ॐ ब्रह्माण्ड धारिण्यै नमः।
१६) ॐ महारूपायै नमः।
१७) ॐ महामायायै नमः।
१८) ॐ माहेश्वर्यै नमः।
१९) ॐ लोकरक्षिण्यै नमः।
२०) ॐ दुर्गायै नमः।
२१) ॐ दुर्गपारायै नमः।
२२) ॐ भक्तचिंतामण्यै नमः।
२३) ॐ मृत्यै नमः।

© Pathakguruji.in

२४) ॐ सिद्धै नमः।
२५) ॐ मूर्त्यै नमः।
२६) ॐ सर्वसिद्धप्रदायै नमः।
२७) ॐ मंत्रमूर्त्यै नमः।
२८) ॐ महाकाल्यै नमः।
२९) ॐ सर्वमूर्तिस्वरूपिण्यै नमः।
३०) ॐ वेदमूर्त्यै नमः।
३१) ॐ वेदभूत्यै नमः।
३२) ॐ वेदान्तायै नमः।
३३) ॐ व्यवहारिण्यै नमः।
३४) ॐ अनघायै नमः।
३५) ॐ भगवत्यै नमः।
३६) ॐ रौद्रायै नमः।
३७) ॐ रुद्रस्वरूपिणै नमः।
३८) ॐ नारायण्यै नमः।
३९) ॐ नारसिंह्यै नमः।
४०) ॐ नागयज्ञोपवीतिन्यै नमः।
४१) ॐ शङ्खचक्रगदाधारिण्यै नमः।
४२) ॐ जटामुकुटशोभिन्यै नमः।
४३) ॐ अप्रमाणायै नमः।
४४) ॐ प्रमाणायै नमः।
४५) ॐ आदिमध्यावसानायै नमः।
४६) ॐ पुण्यदायै नमः।
४७) ॐ पुण्योपचारिण्यै नमः।
४८) ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः।
४९) ॐ स्तुतायै नमः।
५०) ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
५१) ॐ गंभीरायै नमः।
५२) ॐ रूपान्वितायै नमः।
५३) ॐ कालरात्र्यै नमः।
५४) ॐ अनल्पसिध्दयै नमः।
५५) ॐ कमलायै नमः।

© Pathakguruji.in

५६) ॐ पद्मवासिन्यै नमः।
५७) ॐ महासरस्वत्यै नमः।
५८) ॐ मनः सिद्धायै नमः।
५९) ॐ मनोयोगिन्यै नमः।
६०) ॐ मातंगिन्यै नमः।
६१) ॐ चंडमुंडविनाशिन्यै नमः।
६२) ॐ दैत्यादानववासिन्यै नमः।
६३) ॐ मेघज्योतिषायै नमः।
६४) ॐ परज्जयोतिषायै नमः।
६५) ॐ आत्मज्योतिषायै नमः।
६६) ॐ सर्वज्योतिःस्वरूपिणै नमः।
६७) ॐ सहस्रपूर्त्यै नमः।
६८) ॐ शर्वाण्यै नमः।
६९) ॐ सूर्यमूर्तिस्वरूपिण्यै नमः।
७०) ॐ आयुर्लक्ष्म्यै नमः।
७१) ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः।
७२) ॐ सर्वलक्ष्मीप्रदायै नमः।
७३) ॐ विचक्षणायै नमः।
७४) ॐ क्षीरार्णववासिन्यै नमः।
७५) ॐ वागीश्वर्यै नमः।
७६) ॐ वाक्सिद्धयै नमः।
७७) ॐ अज्ञानज्ञानगोचरायै नमः।
७८) ॐ बलायै नमः।
७९) ॐ परमकल्याण्यै नमः।
८०) ॐ भानुमंडलवासिन्यै नमः।
८१) ॐ अव्यक्तायै नमः।
८२) ॐ व्यक्तरूपायै नमः।
८३) ॐ अव्यक्तरूपायै नमः।
८४) ॐ अनन्तायै नमः।
८५) ॐ चन्द्रायै नमः।

© Pathakguruji.in

८६) ॐ चन्द्रमण्डलवासिन्यै नमः।
८७) ॐ चन्द्रमण्डलमण्डितायै नमः।
८८) ॐ भैरव्यै नमः।
८९) ॐ परमानन्दायै नमः।
९०) ॐ शिवायै नमः।
९१) ॐ अपराजितायै नमः।
९२) ॐ ज्ञानप्राप्त्यै नमः।
९३) ॐ ज्ञानवत्यै नमः।
९४) ॐ ज्ञानमूर्त्यै नमः।
९५) ॐ कलावत्यै नमः।
९६) ॐ श्मशानवासिन्यै नमः।
९७) ॐ मात्रे नमः।
९८) ॐ परमकल्पिन्यै नमः।
९९) ॐ घोषवत्यै नमः।
१००) ॐ दारिद्र्यहारिण्यै नमः।
१०१) ॐ शिवतेजोमुख्यै नमः।
१०२) ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
१०३) ॐ केशविभूषितायै नमः।
१०४) ॐ कूर्मायै नमः।
१०५) ॐ महिषासुरघातिन्यै नमः।
१०६) ॐ सर्परक्षायै नमः।
१०७) ॐ महाकाल्यै नमः।
१०८) ॐ महालक्ष्म्यै नमः।

श्री पुरूषसूक्त, श्रीसूक्त; श्री योगिनीमन्त्र यांनी न्यासपूर्वक श्री योगिनीची षोडशोपचारे पूजा करावी.
श्री योगेश्वरीचे नवरात्र मार्गशीर्ष शु. अष्टमी पासून सुरू असते व पौर्णिमेस हवन वगैरे करून सांगता करतात.

''ऐश्वर्यं धनधान्यादिं सौख्यं पुत्रप्रपौत्रकम् । एतत् योजय सर्वेषां योगिनीत्वं सदा भव ।।''

।। श्री जगदम्बार्पणमस्तु ।।

।। शुभं - भवतु ।।